एक नजर में

गंदगी के बीच बन रही थी गजक, फैक्ट्री सील

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे. उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन, खाद्य औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में सुमित गजक और कुल्फी के खातीपुरा स्थित कारखाने पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा औचक कार्रवाई की गई। उक्त कारखाने पर तिल एवं मूंगफली की गजक तैयार की जा रही थी. कारखाने पर अस्वच्छकर स्थितियों मेँ गजक का निर्माण किया जा रहा था. उक्त कारखाने के संचालक सुमित शिवहरे द्वारा कारखाने का फ़ूड लाइसेंस नहीं प्राप्त किया गया था. उक्त कारखाने से गुड, तिल, तिल गजक एवं मूंगफली दाना पट्टी के नमूने जाँच हेतु लिए गए. साथ ही कारखाने का फूल लाइसेंस न होने के कारण एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्माण परिस्थितियां पाए जाने पर निर्माण एवं विक्रय गतिविधि तत्काल प्रभाव से बंद करवाई गई तथा कारखाने को बंद करवाया गया. खातीपुरा स्थित एक अन्य संस्थान गणभोग फूड्स का निरीक्षण किया गया. उक्त संस्थान से राजगीरा लड्डू एवं तिल लड्डू के नमूने जाँच हेतु लिए गए. एक अन्य कार्वाई में फिनिक्स सिटाडेल मॉल स्थित मोती महल डीलक्स रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर पनीर, चावल एवं मैदा के नमूने लिए गए हैं. कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी.

वियान को यूसीमास प्रतियोगिता में दूसरा स्थान

इंदौर. शहर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी और सबसे कम उम्र के लेखक वियान आसुदानी ने यूसीमास द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और साथ ही भारत की राष्ट्रीय यूसीमास 2025 में भी द्वितीय उपविजेता बने. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता त्बिलिसी (जॉर्जिया) स्थित एसईयू जॉर्जियन नेशनल यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई. विश्वभर के लगभग 80 देशों से आए 1350 से अधिक विद्यार्थियों के बीच कड़े मुकाबले में प्रतिभागियों को 8 मिनट में 200 गणितीय प्रश्न हल करने थे, जिसे गति और सटीकता की कठिनतम परीक्षा माना जाता है. वियान अपने विद्यालय के शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के गणित विजेता का खिताब भी जीत चुके हैं. उनकी इस उपलब्धि ने इंदौर, मध्य प्रदेश और पूरे भारत को गौरवान्वित किया है. उनकी सफलता आज के युवा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का उज्ज्वल उदाहरण है.

डॉ. कुलकर्णी राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत

इंदौर. ह्यूमन राइट्स फूड सेफ्टी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए डॉ. भारत कुलकर्णी को मनोनीत किया गया है. उनके व्यापक वैश्विक अनुभव, मानवाधिकार-केंद्रित नेतृत्व दृष्टि और कृषि-नीति विशेषज्ञता को देखते हुए यह मनोनयन संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है. डॉ. कुलकर्णी पिछले दो दशकों से मानवाधिकार आधारित कृषि नीति-निर्माण, बाजार-व्यवस्था सुधार, खाद्य-सुरक्षा न्याय और अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं. अफ्रीका के किसानों के आर्थिक अधिकार, उचित मूल्य, वित्तीय संरक्षण और वैश्विक बाजार तक पहुँच सुनिश्चित करने में उनका योगदान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है. उनकी यह दृष्टि इस सिद्धांत पर आधारित है कि किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि पूर्ण मानवाधिकारों के धारक हैं. उक्त संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में डॉ. कुलकर्णी का मानवाधिकार-केंद्रित दृष्टिकोण देश की खाद्य सुरक्षा प्रणाली, उपभोक्ता अधिकार संरक्षण तथा कृषि-आधारित नीतिगत ढाँचे को नई दिशा प्रदान करेगा.

न्यू मिस्मेटिक सोसायटी के अधिवेशन में शर्मा आमंत्रित

इंदौर. देश की सबसे पुरानी मुद्रा संस्था न्यू मिस्मेटिक सोसायटी ऑफ़ इंडिया वाराणसी का 107 वां वार्षिक अधिवेशन 11-12 दिसम्बर को तेलंगाना के हैदराबाद महानगर में होगा. तेलंगाना सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ़ हैरिटेज की मेजबानी में हो रहे इस सम्मेलन में इंदौर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को भी प्राचीन दुर्लभ भारतीय मुद्राओं पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया है. अधिवेशन का शुभारंभ तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के मुख्य आतिथ्य, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णराव के विशेष आतिथ्य में होगा, जिसमें देश के अनेक प्रमुख विद्वानों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है. अधिवेशन में तेलंगाना के मुख्य सचिव आईएएस जयेश रंजन, परिषद अध्यक्ष डॉ. राजा रेड्डी, महासचिव डॉ. पीएन सिंह तथा प्रो. बिंदा दत्ता तरैया परांजपे जैसे वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे. इंदौर के गिरीश शर्मा जो राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक तथा मुद्रा शोध न्यास के ट्रस्टी भी हैं, को देश के दुर्लभ सिक्कों पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है.

पुलिसकर्मियों के लिए नेत्र-जांच अभियान की शुरूआत

इंदौर. एएसजी नेत्र चिकित्सालय ने अपनी 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुलिस बल के लिए राष्ट्रव्यापी नेत्र स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की है. समाज की सुरक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मियों के लिए इस विशेष पहल का उद्देश्य उनकी आंखों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना है. अभियान के तहत 10 दिसंबर से 9 जनवरी तक एएसजी हॉस्पिटल इंदौर सहित देशभर में स्थित 180 शाखाओं में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण उपलब्ध कराया जाएगा. पुलिसकर्मी अपने परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचकर संपूर्ण नेत्र जांच, स्क्रीनिंग और आवश्यक परामर्श प्राप्त कर सकेंगे. इसके साथ ही, एएसजी हॉस्पिटल द्वारा आगामी एक महीने तक पुलिस लाइन्स, ट्रैफिक विभाग और विभिन्न थाना परिसरों में भी कैंप आयोजित करने की योजना है, ताकि वे ड्यूटी पर रहते हुए भी इस सुविधा का लाभ ले सकें. हॉस्पिटल क डॉ. विनीत मूथा के अनुसार पुलिसकर्मी दिन-रात हमारी सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं. उनकी दृष्टि का सुरक्षित रहना न सिर्फ उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा है. यह अभियान हमारी सामाजिक जिम्मेदारी और कृतज्ञता का प्रतीक है. हमारा लक्ष्य है कि देशभर का हर पुलिसकर्मी उच्च स्तरीय नेत्र-जांच और समय पर उपचार का लाभ प्राप्त कर सके. हॉस्पिटल प्रबंधन के अनुसार, यह पहल पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है.

नई पहल : अब शराबी चालकों का रास्ता रोकेंगे टायर किलर स्पाइक्स

▸ इस स्पाइक्स का उपयोग करने वाला इंदौर प्रदेश का पहला शहर होगा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में अपराध पर तुरंत नियंत्रण और संदिग्ध वाहनों को बिना जोखिम रोके जाने के लिए इंदौर पुलिस ने आधुनिक तकनीक का एक और प्रभावी साधन इस्तेमाल में लाना शुरू कर दिया है. पोर्टेबल टायर किलर स्पाइक्स नाम की यह प्रणाली तेज रफ्तार से भागने वाले अपराधियों को रोकने में बेहद कारगर साबित होगी.

पुलिस उपायुक्त आनंद कलादगी ने बताया कि इस उपकरण को नाकाबंदी, चेक पोस्ट और अलर्ट ऑपरेशंस के दौरान कुछ ही सेकंड में सड़क पर तैनात किया जा सकता है. इसकी मदद से संदिग्ध वाहनों के टायर तुरंत पंचर हो जाते हैं और वाहन रुक जाता है, जिससे पुलिस बिना गोली चलाए हाई स्पीड चेज को सुरक्षित तरीके से खत्म कर सकती है. वहीं, इस तकनीक के जरिए चोरी की गाड़ियों, वारदात में इस्तेमाल वाहनों और फरार अपराधियों को तेजी से पकड़ा जा सकता है. साथ ही यह पुलिस टीम और आम नागरिकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और टक्कर या गोलीबारी जैसी जोखिम भरी स्थितियों से बचा जा सकता है. उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस का मानना है कि स्मार्ट पुलिसिंग से जुड़े ऐसे उपकरण कानून व्यवस्था को मजबूती देते हैं और अपराधियों में भी रोक टोक का दबाव बढ़ाते हैं.

फिलहाल चार बुलवाए, जल्द ही सौ बुलवाएंगे

पुलिस अब अपराधों को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है. इंदौर पुलिस के पास अब टायर किलर स्पाइक्स भी उपलब्ध हो गए हैं. फिलहाल पुलिस ने चार टायर किलर स्पाइक्स बुलवाए हैं, जल्दी ही 100 और मंगवाएंगे, इसका उपयोग अगले सप्ताह से शुरू करेंगे. ये स्पाइक्स भाग रहे अपराधियों को पकड़ने में मददगार साबित होंगे. कई बार वाहन चालक भी टक्कर मारने के बाद भागते हैं और दूसरे लोगों की जान ले लेते है. उहें भी इसकी मदद से रोका जाएगा. ज्ञात हो कि पिछले दिनों इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र में एक शराबी ट्रक ड्रायवर ने चार लोगों की जान ले ली थी,जबकि हादसे में 15 से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

गंभीर अनियमितता मिलने पर दो अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनें सील

इंदौर. जिले में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के पालन को लेकर की जा रही सख्त निगरानी के बीच एक अस्पताल पर बड़ी कार्रवाई की गई. जांच में अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने वहां स्थापित दोनों अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों को सीलबंद कर दिया.

सीएमएचओ से मिली जानकारी के अनुसार प्लॉट नंबर 30, सेक्टर-डी, स्कीम नंबर 71 स्थित एक निजी अस्पताल, जिसका पीसीपीएनडीटी पंजीयन 779 है और जिसकी वैधता फरवरी 2027 तक प्रभावी है, वहां नियमों के उल्लंघन की शिकायतों पर कार्रवाई की गई.

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर सक्षम प्राधिकरण द्वारा जांच कराई गई. मौके पर पहुंचे निरीक्षण दल में शामिल अधिकारियों ने दस्तावेजों और मशीन संचालन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें कई अनियमितताएं पाई गईं. इसके बाद टीम ने अस्पताल की दोनों पंजीकृत अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों और ट्रैकर को सीलबंद कर दिया. प्रशासन ने संबंधित अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है.

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अपर मिशन संचालक ने की जमीनी पड़ताल

▸ दो दिन में कई संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गुणवत्ता जांची

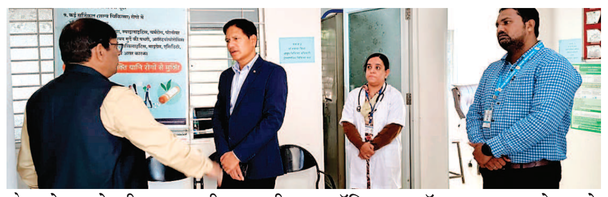

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए अपर मिशन संचालक ने दो दिनों तक विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने रिकॉर्ड से लेकर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं तक हर पहलू की बारीकी से समीक्षा की.

अपर मिशन संचालक ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता का आकलन करने के लिए दो दिनों में शहर की कई महत्वपूर्ण इकाइयों का निरीक्षण किया. आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना तैयार करने से पहले जमीनी हकीकत जानने के उद्देश्य से टीम शासकीय शहरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, आजाद नगर पहुंची, जहां मेडिकल ऑफिसर डॉ. आरएस बोध से सेवाओं की जानकारी ली गई. एएनसी रजिस्टर, ओपीडी स्लिप और मरीज संख्या की जांच के बाद साफ-सफाई और सुविधाएं संतोषजनक मिलने पर स्टॉफ की सराहना की गई. इसके बाद जिला अस्पताल का निरीक्षण किया. यहां एनसीडी विभाग में रजिस्टर व पोर्टल संचालन, एनआरसी में डाइट वितरण और स्वच्छता, फोकल प्वाइंट की प्रक्रिया और दवा वितरण व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई.

नए भवन का कार्य 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश

जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मरीजों को दवाओं की कमी न हो, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए. निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण कर साइट इंजीनियर को फरवरी 2026 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए. कीमोथेरेपी विभाग में डॉ. विभूति पाठक से चर्चा कर सेवाओं का मूल्यांकन किया, वहीं डीईआईसी में उमंग काउंसलिंग सेंटर और चाइल्ड फिजियोथेरेपी यूनिट की कार्यप्रणाली को सराहा. अगले दिन द्रविड़ नगर स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का भी निरीक्षण किया गया, जहां ओपीडी, दवा वितरण और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई. आयुष चिकित्सक डॉ. तपस्या मिश्रा और स्टॉफ से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेकर कार्य की प्रशंसा की गई.

वर्कशॉप का उद्देश्य ज्ञान के साथ प्रशिक्षण उपलब्ध कराना

▸ प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप्स से हुई एनएसआईकॉन की शुरुआत

इंदौर. शहर में आयोजित 73वें एनुअल कॉन्फ्रेंस एनएसआईकॉन 2025 की शुरुआत आज ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में प्री कॉन्फ्रेंस सत्रों के साथ हुई. इस कॉन्फ्रेंस का आरंभ दो महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों से हुआ. पहला कार्यक्रम न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन्स के लिए था, जिसे वरिष्ठ विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष निगरानी में आयोजित किया गया. दूसरा कार्यक्रम न्यूरो नर्सेज़ के लिए था, जिसे उनके क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञों ने संचालित किया.

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा। डॉ. घनघोरिया ने स्वयं सुझाव दिया कि इस क्षेत्र का प्रशिक्षण इंदौर की नर्सेज़ को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया जाए ताकि शहर में मौजूद विशेषज्ञता और संसाधनों का सीधा लाभ उन्हें मिल सके. आईआरसीएडी में दूसरा प्रमुख प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया. एमजीएम मेडिकल कॉलेज की कार्यशाला का शुभारंभ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में डॉ. अरविंद घनघोरिया ने किया. यहां पर डॉक्टर ओमप्रकाश लेखरा के मार्गदर्शन में डॉक्टर सोनाली कुमावत और सुश्री विद्या मेनन ने अपने कोआर्डिनेशन से वर्कशॉप को ऑर्गनाइज किया. अरविंदो इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस में उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष डॉ. विनोद भंडारी, डॉ. मंजू भंडारी, न्यूरोलॉजी कॉन्फ्रेंस की आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. वसंत डाकवाले और आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. परेश सोधिया द्वारा किया गया. डॉ. वसंत डाकवाले, ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन ने कहा कि एनएसआइकॉन 2025 की भावना यही है कि विज्ञान और मानवीय संवेदनाएँ साथ मिलकर आगे बढ़ें. नर्सेज़, डॉक्टरों और प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित आज के सत्र यह दर्शाते हैं कि ब्रेन और स्पाइन केयर तब ही पूर्ण होती है जब इसकी नींव मजबूत प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और संवेदनशील देखभाल पर आधारित हो. एनएसआईकॉन 2025 के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. जे. एस. कठपाल ने कहा कि प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप्स का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है. इसका उद्देश्य ऐसा प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है जो सीधे मरीजों की बेहतर देखभाल में परिवर्तित हो सके.

मस्तिष्क की एनएसआईकॉन के इतिहास में पहली बार एक ही दिन में न्यूरोलॉजी की सात वर्कशॉप्स एक ही स्थल पर आयोजित की गईं. इन वर्कशॉप्स का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को मस्तिष्क की जटिल संरचना और आधुनिक तकनीकों के बारे में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था. 3डी इंट्रिंसिक ब्रेन एनाटॉमी सत्र में प्रतिभागियों को विशेष त्रिआयामी वीडियो के माध्यम से मस्तिष्क की संरचना, उसकी सूक्ष्म परतों और डिसेक्शन की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला.

प्रकृति से लेना नहीं, देना भी सीखें : आचार्य शांतनु

▸ वर्षाकाल में 18 पौधे रोपने और देखभाल करने की शपथ दिलाई

इंदौर. प्रकृति भी परमात्मा का ही अंश है। जैसे परमात्मा इतना सबकुछ देने के बाद भी हमसे कुछ नहीं लेते, उसी तरह प्रकृति भी हमें स्वच्छ पर्यावरण और अन्य मूल्यवान उपहार देने के बाद भी बदले में कुछ नहीं लेती. व्यक्ति अपने जीवनकाल में करीब 8 से 10 क्विंटल लकड़ी का प्रयोग करता है इसमें 4 क्विंटल लकड़ी अंतिम संस्कार के समय काम आती है. यदि इसी तरह हम जीवनभर लकड़ी का प्रयोग करते रहेंगे तो पौधों का बचना संभव ही नहीं रह पाएगा इसलिए संकल्प करें कि हम अपने जीवनकाल में कम से कम 18 पौधे लगाएं और उनके बड़े होने तक उनकी पूरी तरह देखभाल भी करें. प्रकृति से लेना नहीं देना भी सीखें.

ये विचार हैं प्रयागराज से आए मानस मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महाराज के, जो उन्होंने उज्जैन रोड स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए. आचार्य शांतनु महाराज ने कॉलेज प्रबंधन के आग्रह पर छात्रों से मुलाकात भी की और उनसे विभिन्न जानकारियां प्राप्त करने के बाद उक्त प्रेरणादायी विचार साझा किए. इस अवसर पर संस्था शिवदीप के प्रमुख संदीप गोयल ऑटो, संस्था छवि वेलफेयर सोसाइटी के प्रमुख गोपाल गोयल, अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन के किशोर गोयल तथा संजय बांकडा एवं संस्था वनदेवी आयोजना की ओर से सरस्वती पेंढारकर भी आचार्यश्री के साथ उपस्थित थे.

प्रकृति संरक्षण का प्रयास करेंगे

कॉलेज के छात्रों को आचार्यश्री ने शपथ दिलाई कि वे अपने जीवनकाल में कम से कम 18 पौधे तो रोपेंगे ही बल्कि हर वर्षा काल के दौरान अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्रकृति की सेवा करेंगे, जल का दुरूपयोग नहीं करेंगे और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में हरसंभव प्रयास करेंगे। कॉलेज प्रबंधन की ओर से श्रीमती संध्या चौकसे एवं सुप्रभात चौकसे ने आचार्यश्री एवं सभी मेहमानों की अगवानी की।

घरेलू हिंसा पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम

इंदौर. इनर व्हील क्लब ऑफ़ इंदौर अपटाउन ने ओरेंज द वर्ल्ड अभियान के तहत ओएसिस कॉलोनी और कबीर खेड़ी बस्ती में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए. इस महत्वपूर्ण अवसर पर द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल और उड़ान स्कूल के बच्चों ने विशेष रूप से भाग लिया और अपने सशक्त प्रदर्शन तथा स्पष्ट संदेशों के माध्यम से समाज को झकझोरने वाला काम किया.

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नाट्य-प्रस्तुतियों, संवादों और पोस्टर्स के माध्यम से यह बताया कि महिलाएँ किन-किन प्रकार की प्रताड़ना का सामना करती हैं, घरेलू हिंसा, मानसिक शोषण और सामाजिक दबाव किस प्रकार उनकी प्रगति को रोकते हैं, लड़कियों के क्या-क्या अधिकार हैं और समाज को उन्हें सुरक्षित व सम्मानजनक वातावरण देने की आवश्यकता क्यों है, बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और स्वावलंबन कितना ज़रूरी है. बच्चों के दमदार अभिनय, दृढ़ आवाज़ और सरल भाषा में दिए गए संदेशों ने सभी उपस्थित लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया. सचिव डॉ अराधना सहाय ने बताया कि

इस अभियान का उद्देश्य समाज को यह याद दिलाना था कि महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ हिंसा किसी भी रूप में अस्वीकार्य है, और हम सब मिलकर ही बदलाव ला सकते हैं.

एक नजर में

अखंड धाम आश्रम पर चल रहे अ.भा. संत सम्मेलन के समापन पर हजारों दीपों से हुई महाआरती

परमार्थ भाव से किए कर्म युगों तक करते हैं मार्गदर्शन

इंदौर. संत, विद्वान और महापुरुषों का चिंतन हमेशा समाज के कल्याण की दृष्टि से होता है. सेवा, त्याग और परमार्थ के भाव से किए गए उनके कर्म युगों-युगों तक हमारा मार्गदर्शन करते हैं. सदकर्मों की सुगंध कभी नष्ट नहीं हो सकती. मनुष्य का शरीर भले ही नश्वरवान हो लेकिन उनके कर्म हमेशा स्मृति पटल पर अंकित रहते हैं. अखंड धाम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद महाराज ऐसे ही तपोनिष्ठ संत थे जिन्होंने अपने जीवनकाल में सनातन धर्म और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अपना समूचा जीवन समर्पित बनाए रखा. उनकी यादें हमारे लिए मील का पत्थर बनाकर हमेशा मार्गदर्शन करती रहेंगी.

ये विचार हैं आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप के, जो उन्होंने बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर चल रहे 58वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन के विराम प्रसंग पर सानिध्य देते हुए आशीर्वचन के रूप में व्यक्त किए. प्रख्यात संत महर्षि उत्तम स्वामी के सानिध्य में इस अवसर पर आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद महाराज को पुष्पांजलि एवं हजारों दीपों से उनके चित्र के समक्ष महाआरती का अनूठा और परंपरागत आयोजन सौल्लास संपन्न हुआ. पुष्पांजलि सभा में आश्रम परिवार के वरिष्ठ न्यासी एवं समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, निर्मल गुप्ता (उज्जैन), मन्नूलाल गर्ग (देवास), हरि अग्रवाल, ठा. विजय सिंह परिहार, किरण ओझा तथा संत समाज की ओर से वृंदावन से आए वृंदावन से आए स्वामी जगदीश्वरानंद, डाकोर से आए स्वामी देवकीनंदन दास, साध्वी आदित्य चेतना गिरि, चौबारा जागीर से आए संत नारायणानंद, वृंदावन से आए संत केशवानंद, संत राजानंद आदि ने ब्रह्मलीन अखंडानंद महाराज से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाए. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से स्वागताध्यक्ष विष्णु बिंदल, अध्यक्ष हरि अग्रवाल, संयोजक अशोक गोयल, महासचिव दीपक जैन टीनू, संगठन सचिव भावेश दवे, कोषाध्यक्ष किशोर गोयल, हेमंत खंडेलवाल, चंद्रप्रकाश गुप्ता, राजेंद्र सोनी आदि ने सभी संतों एवं मेहमानों का स्वागत किया. मंच का संचालन हरि अग्रवाल एवं स्वामी नारायणानंद ने किया.

घर-घर से लाए दीप

पुण्यतिथि के अवसर पर हजारों श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं अपने-अपने घरों से दीपकों की थाली और फूलों से श्रृंगारित आरती सजाकर लाई थी. शंकराचार्यजी के सानिध्य में जैसे ही महाआरती शुरू हुई, अखंड धाम परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं की आस्था-श्रद्धा देखने लायक थी. अंत में अध्यक्ष हरि अग्रवाल ने सात दिवसीय संत सम्मेलन में सहयोग देने वाले सभी संतों, भक्तों, प्रशासन, पुलिस, दानदाता एवं कार्यकर्ता बंधुओं का आभार माना.